Q.P. Code: 00003489

[**समय**: ३ घंटे] [**पूर्णांक** : १००]

(कृपया जांचें कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है या नहीं।)

सूचनाए: **१. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
२. दायीं ओर के अंक पूर्ण अंक दर्शाते हैं।
3. उत्तर पुस्तिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखे |

प्रश्न १. निम्न लिखित अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए | (३०)

(क) "वह आता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता |
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लुकटिया टेक।"

अथवा

"समझो जग को न निरा सपना
पथ आप प्रशस्त करो अपना
अखिलेश्वर है अवलम्बन को
नर हो, न निराश करो मन को।"

(ख) "उन्हें केवल यह खयाल था कि कहीं लोग दीन-दुखियों पर विश्वास करना न छोड़ दें | ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता हैं |"

अथवा

"अपने दस साल के राजनितिक जीवन में उसका ऐसा मान-मर्दन न हुआ था | जैसा आज हरिया ने किया था | घड़ों पानी पड़ा था उस पर |"

प्रश्न २. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए। (२०)

(च) 'सिंदूर तिलकित भाल' कविता में कवि प्रवास के दौरान किस प्रकार की व्यथा का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर रहा हैं, विवेचन कीजिए |

अथवा

'जलाओ दिए पर रहे ध्यान इतना' कविता मानववादी विचार धारा को मुखरित करती हैं, विस्तार से स्पष्ट कीजिए |

(छ) राजा कब और क्यों परेशान हो गए? कर्मचारियों ने राजा की परेशानी दूर करने के लिए किस तरह के प्रयास किए | उस पर प्रकाश डालिए |

अथवा

मिस्टर शामनाथ चीफ को दावत क्यों देते हैं, उसकी विस्तार से चर्चा कीजिए |

प्रश्न ३. निम्न लिखित विषय पर टिप्पणियाँ लिखिए। (१०)

(ज) 'भिक्षुक' कविता की संवेदना |

अथवा

'झाँसी की रानी' कविता में स्त्री की वीरता |

(झ) श्रीकंठ सिंह का चरित्र-चित्रण |

अथवा

'पाजेब' में बालमनोविज्ञान |

प्रश्न ४. निम्न लिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (१०)

१. महादेवी वर्मा जी ने विरहित जीवन व्यथा की अभिव्यक्ति किस कविता में प्रस्तुत की हैं?
२. 'देश के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तैयार रहें?' यह किस कवि का मानना हैं?
३. श्री. हरिवंश राय बच्चन का जन्म कब हुआ था?
४. 'पुरस्कार' कहानी में दुर्ग के किस दिशा की तरफ से सैनिकों ने अरुण को बंदी बना लिया था?
५. 'पाजेब' कहानी में किस प्रकार के मनोविज्ञान का चित्रण किया हैं?
६. 'डीप्टी कलेक्टरी' कहानी के पात्र शकलदीप बाबू को बेटे की डीप्टी कलेक्टरी में किसके प्रसन्न होने की आवश्यकता लगती हैं?
७. मधुलिका के पिता किस यद्ध में शहीद हुए थे?
८. निर्मला किसकी पत्नी थी?

4A91CAE847BB9EFAB1065B0ED6FD1275

Q.P. Code: 00003489

९. कमनीय मंदिर को किसके हाथों गढ़ा गया हैं?

१०. पुष्प माली से उसे कहाँ फैंकने को कहता हैं?

प्रश्न ५. निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। **(१०)**

बी.ए. की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त होने की ख़ुशी में माँ-पिता को पत्र लिखिए|

अथवा

महानगर पालिका के 'अ' विभाग में हमेशा दुर्गंती होती रहती हैं, इस संदर्भ में महानगर पालिका के अधिकारियों को शिकायत पत्र लिखिए|

प्रश्न ६. (अ) निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए। **(१०)**

(प) निम्नलिखित वाक्य के शुद्ध रूप लिखिए।

I) रीमा की नई बहु आई हैं|

II) वह अकथ परिश्रम करता है|

(फ़) निम्नलिखित वाक्य में संज्ञा शब्द पहचानिए।

I) मैं कलकत्ता जा रही हूँ|

II) पूरा परिवार सोना खरीदने गया है|

(ब) निम्नलिखित वाक्य में सर्वनाम शब्द पहचानिए।

I) कमरे में कौन बैठा है|

II) मैं बहुत दूर से आया हूँ।

(भ) निम्नलिखित वाक्य में क्रिया शब्दों को पहचानिए।

I) वह अब तक जा चुका होगा|

II) तुम रोज पढ़ने आया करो|

(ड़) निम्नलिखित वाक्य में विशेषण शब्दों को पहचानिए।

I) इस बच्चे को कहाँ लिए जा रही हो?

II) यह किताब अच्छी है|

प्रश्न ६. (आ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(१०)**

अपने देश की सीमाओं की दुश्मन से रक्षा करने के लिए मनुष्य सदैव सजग रहा है। प्राचीन काल में युद्ध क्षेत्र सीमित होता था तथा युद्ध धनुष-बाण, तलवार, भाले आदि द्वारा होता था, परंतु आज युद्धक्षेत्र सीमाबद्ध नहीं है। युद्ध में अंधविश्वास से हटकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। आज विज्ञान ने लड़ाई को एक नया मोड़ दिया है। अब हाथी, ऊँट, घोड़ों का स्थान रेल, मोटरगाड़ियों और हवाई जहाजों ने ले लिया है। धनुष-बाण आदि का स्थान बंदूक व तोप की गोलियों और रॉकेट, मिसाइल, परमाणु तथा प्रक्षेपन शास्त्रों ने ले लिया है और उनके अनुसार राष्ट्र की सीमाओं के प्रहरियों में अंतर आया है।

अब मानव प्रहरियों का स्थान बहुत हद तक यांत्रिक प्रहरियों ने ले लिया है जो मानव से कहीं अधिक सजग, त्रुटिहीन और क्षमतावान् हैं। आधुनिक प्रहरियों में रेडार, सौनार, लौरान, शौरान आदि विशेष उल्लेखनीय हैं। यहाँ रेडार का वर्णन किया जाता है। रेडार का उपयोग द्वितीय विश्वयुद्ध में प्रारंभ हुआ। 'रेडार' शब्द 'रेडियो डिटेक्शन एंड रेंजिंग' के प्रथम अक्षरों से बना है। इसका अर्थ यह भी है कि किसी भी रेडार से एक निश्चित क्षेत्र के अंदर ही वायुयान की स्थिति ज्ञात की जा सकती है। यदि जहाज उस 'रेंज' से बाहर है तो पता नहीं लगाया जा सकता। रेडार एक अति लाभदायक व महत्त्वपूर्ण प्रहरी है, जिसमें विद्युत चुंबकीय तरंगों की मदद से उड़ते हुए शत्रु के विमानों की सही स्थिति का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

१. प्राचीन काल और आज के युद्ध में क्या अंतर है ?

२. विज्ञान की लड़ाई ने कैसा मोड़ लिया है ?

३. मानव प्रहरियों का स्थान अब किसने ले लिया है ?

४. 'रेडार' का मुख्य रूप से क्या प्रयोग है ?

५. विद्युत चुंबकीय तरंगों की मदद से कौनसा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है ?

****

4A91CAE847BB9EFAB1065B0ED6FD1275